Criteria 6. Faculty Profile & Research Activities (Score 100)

6.9. No. of Books Published/ Chapter in Books

Score Claimed-10

2 Book -5*2 1 Chapter in book-2	2*5=10 1*2=2 Score-12	10

Dr. Kamayani Bisht

1. Written a book "Black Magic of Women from the Mountains"

Dr. Anjana Bhardwaj, Associate Professor (Painting)

2. A chapter in a book- "*Wall paintings of the princely states of Himachal*".

Dr. Prem Lal, Assistant Professor (Music Vocal)

3. Written a book "*Solan Kshetra Ki Dharmik Manyataon Mein Sangeet*".

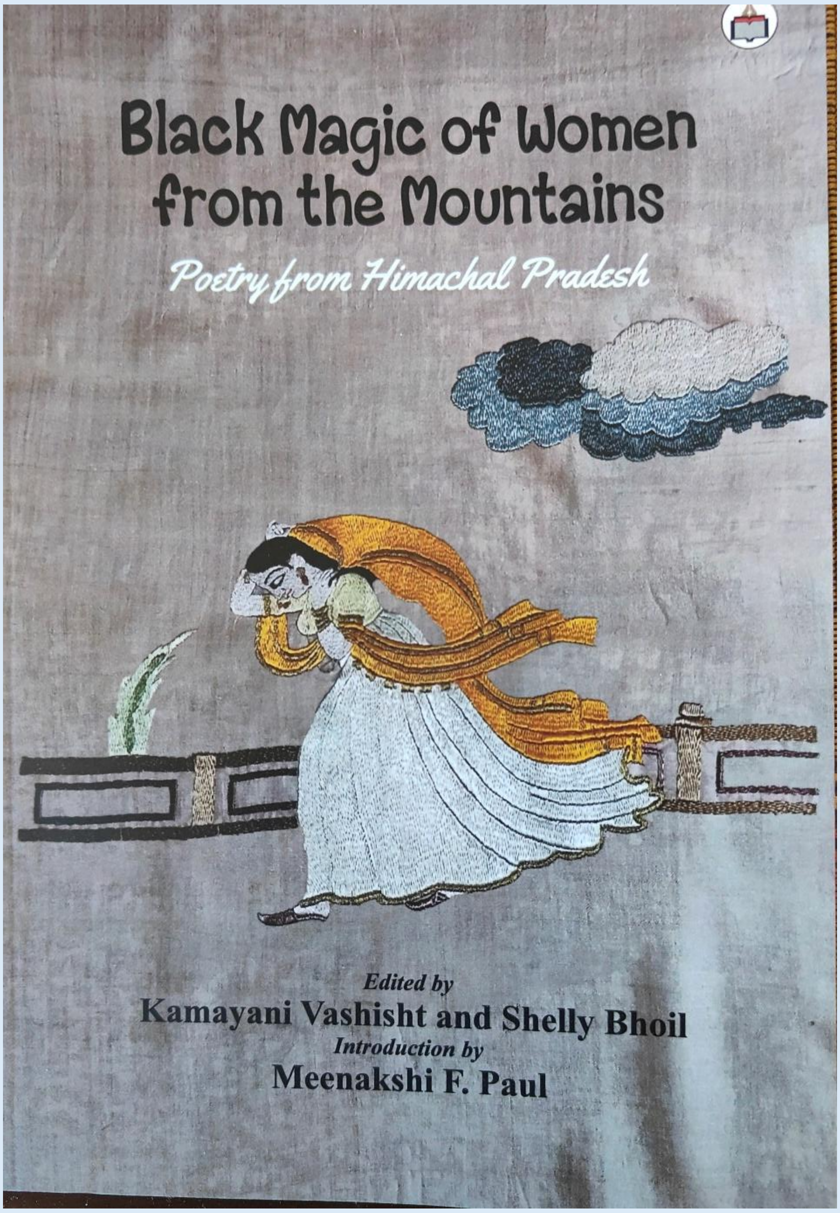
Black Magic of Women
from the Mountains
Poetry from Himachal Pradesh
Edited by
Kamayani Vashisht and Shelly Bhoil
Introduction by
Meenakshi F. Paul

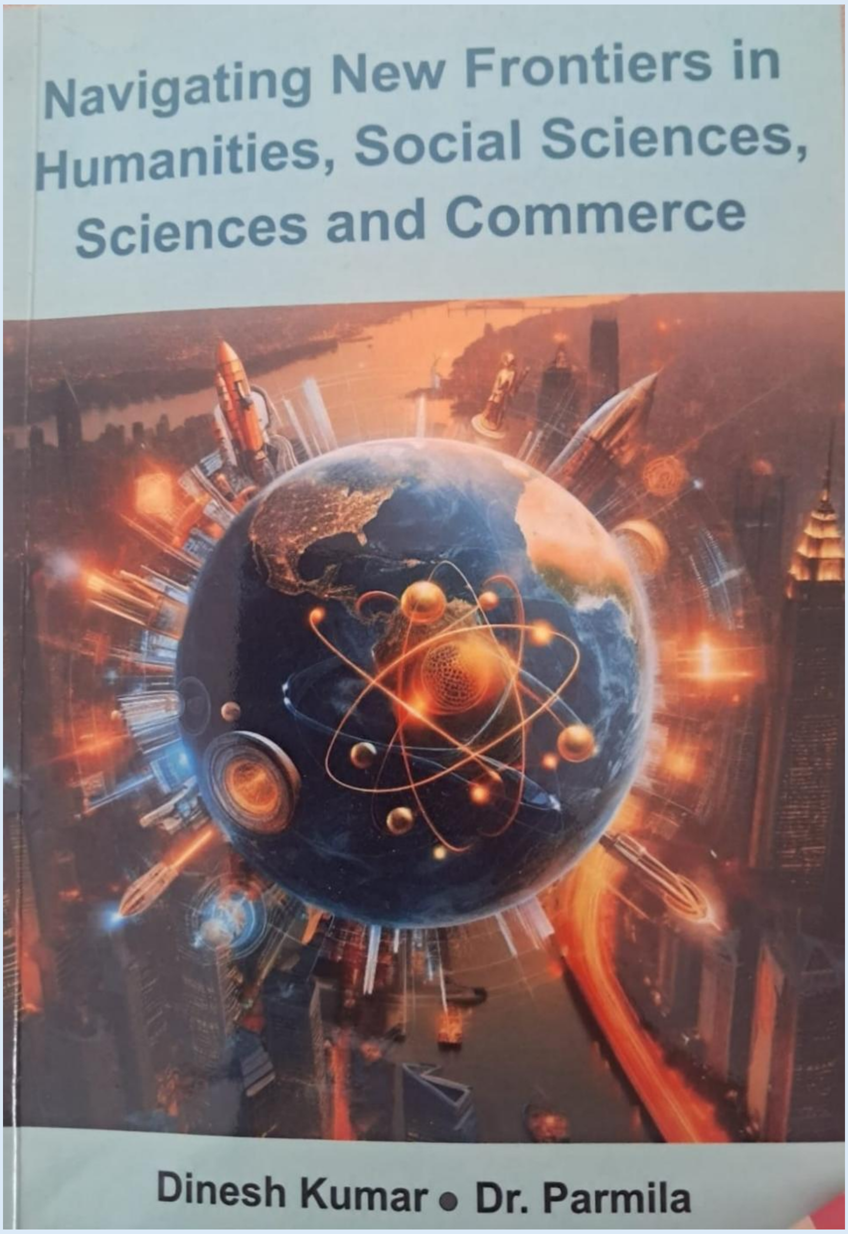
Navigating New Frontiers in
Humanities, Social Sciences,
Sciences and Commerce
Dinesh Kumar • Dr. Parmila

10. **Digital Transformation through Big Data, IoT, and Blockchain Capabilities in the Indian Telecom Industry** 69
Shubham Sharma

11. **Wall Paintings of the Princely States of Himachal** 80
Dr. Anjana Bhardwaj

12. **Redefining Feminity: the Evolution of Womanhood in Louisa May Alcott's Little Women** 86
Jyotsana Bangur

13. **डिजिटल पराधीनता से स्वाधीनता की ओर: श्रीमद्भगवद्गीता के द्वारा** 89
डॉ. एकता

14. **Introduction to Cultural Memory Studies: Politics of Memory as a Research Paradigm** 96
Aswathy Anirudhu

15. **Protecting Traditional Knowledge: A Legal and Ethical Perspective on Indigenous Intellectual Property Rights** 104
Ms. Reena Jaglan & Dr. Ritu Jaglan

16. **Copper Nanoparticles and Its Applications** 111
Dr. Poonam Rani

17. **Burning Beauty: Jane Eyre's Blaze against Victorian Conformity** 116
Simran

18. **Effect of Climate Change on Dairy Farming: Challenges and Adaptation Strategies in Kerala** 119
Joshmy Philip & Dr. John Major Thomas

19. **Oceanic Odyssey: Unpacking Oceo- Postcolonialism in Select Mythological Narratives** 126
Arul M

20. **डॉ. बी. आर. अंबेडकर और भगत सिंह के चिंतन में तुलनात्मक अध्ययन** 133
डॉ. ममता कुमारी

WKRISHIND
Nature's Creation

सोलन क्षेत्र की धार्मिक मान्यताओं में संगीत

© Dr. Prem Lal Pal

Publisher: WKRISHIND.in
ISBN: 978-81-968185-7-9
Edition: I (2024)

All rights reserved
इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, फ़ोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या किसी भी जानकारी भंडारण पुनर्प्राप्ति प्रणाली द्वारा लिखित रूप से उपयोग नहीं किया जा सकता है, बिना लेखक/प्रकाशक से अग्रिम में लिखित अनुमति के।

डॉ. प्रेम लाल पाल

MRP: ₹ 499

भूमिका

प्राचीन काल से देवी-देवताओं का क्रीड़ास्थल रहा हिमाचल प्रदेश आज भी अपने प्राकृतिक सौंन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है। पश्चमी हिमालय की गोद में बसा हुआ हिमाचल प्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक अलग इकाई का निर्माण करता है। इतिहास की लम्बी यात्रा में यहां के लोगों ने प्रकृति को आत्मसात करने के उपक्रम में उसका दैवीकरण कर दिया है। जिस तरह विश्व भर के महान कृतिकारों का पर्वतों से गहरा रिश्ता रहा है ठीक, उसी प्रकार इस जनपद के पहाड़ों में व्यास, अत्री, पराशर, मारकंडेय, वशिष्ठ, परशुराम व जमदग्नि आदि न जाने कितने मनीषियों ने यहां तपस्या कर इसे गौरवान्वित किया। वेद, पुराण,उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे अनमोल रत्न इसी के गर्भ से निकले हैं। जिस प्रकार इस जनपद का प्राकृतिक सौन्दर्य अपनी अमिट छाप छोड़े हुए है उसी प्रकार यहां की धार्मिक मान्यताओं के अंतर्गत आने वाले लोक गीत, लोक गाथायें, लोक नाटय इत्यादि सांस्कृतिक धरोहर अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इस प्रदेश की लोक कला परम्परायें बहुत ही समृद्ध तथा लोकप्रिय रही है। दिन भर अपने खेती के कार्यों से निवृत होकर संध्याकाल में अपने गांव के चौपाल में बैठे लोग अपने मनोरंजन के लिये इन्ही लोक-गीतों, लोक नाटयों, लोक गाथाओं का सहारा लेते है।

हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में से सोलन ज़िला अपनी अलग ही पहचान बनाये हुए है। प्राचीन काल से चली आ रही यहां की लोक संस्कृति की झलक यहां प्रचलित इन धार्मिक मान्यताओं से स्पष्ट झलकती है। ये धार्मिक मान्यतायें जहां मनोरंजन का साधन बनती है वंही पर ये मानव जीवन को जीने की राह भी बताती है। धार्मिक मान्यताओं पर आधारित लोक संगीत की यह सांस्कृतिक धरोहर किस प्रकार सोलन जनपद की स्थानीय वादियों में गुंजायमान है, इसका प्रत्यक्ष रुप देख कर मानव आज भाव विभोर हुए बिना नहीं रह सकता। यह कहना उचित ही है कि संगीत के माध्यम से ही यह अतीत की अमूल्य धरोहर आज तक अपना अस्तित्व